भगवान् की देन

एक बार कुछ मधुमक्खियाँ शहद की भेंट लेकर भगवान् के पास गयीं । भगवान् बहुत प्रसन्न हुए ।

भगवान् ने उन्हें धन्यवाद दिया और कहा, "आप लोगों की जो भी इच्छा हो माँग लें ।"

मधुमक्खियों ने कुछ सोच–विचार किया और कहा, "कृपया, आप हमारे शरीर में डंक लगा दें ।"

भगवान् को बहुत आश्चर्य हुआ । उन्होंने पूछा, "आप लोग डंक क्यों चाहती हैं ?"

मधुमक्खियों ने कहा, "हम डंक इसलिये चाहती हैं कि जब भी कोई हमारा शहद चुराने आये तो हम उसे इस डंक से काटकर मार सकें और शहद की रक्षा कर सकें ।"

"उसे मार सकें ?" भगवान् ने उनकी बात को दोहराया । "आप लोग मनुष्य को मार देना चाहती हैं ?"

"जी हाँ, हम ऐसा ही चाहती हैं ।

"ठीक है," भगवान् ने कहा । "आप लोगों के शरीर में डंक लग जायेंगे, परन्तु ध्यान रखो, जब भी आप लोग किसी मनुष्य को काटेंगी तो आप स्वयं मर जायेंगी न कि वह मनुष्य जिसे आपने काटा है ।"

वह जो दूसरों को हानि पहुँचाता है, स्वयं को हानि पहुँचाता है ।

अभ्यास कार्य

नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर अनुच्छेद की मदद से लिखिए–

प्र.1 मधुमक्खियाँ किसके पास गई ?

.....

प्र. 2 वे भेंट में क्या लेकर गईं ?

.....

प्र. 3 भगवान ने उनसे क्या कहा ?

.....

प्र. 4 मधुमक्खियों ने क्या माँगा ?

.....

प्र. 5 मधुमक्खियाँ डंक क्यों चाहती थीं ?

.....

.....

प्र. 6 भगवान ने क्या वरदान दिया ?

.....

.....

प्र. 7 मधुमक्खियाँ डंक से किसको मारना चाहती थीं ?

.....

प्र. 8 इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

.....

रवीन्द्र कुमार वर्मा
पी.आर.टी.